डा०मिथिलेश कुमार सिंह
[illegible]
भूगोल विभाग
[illegible]
महाविद्यालय सहरसा

Mob. 9801611703

दिनांक

Page ①

कोर का पृथ्वी की आन्तरिक संरचना

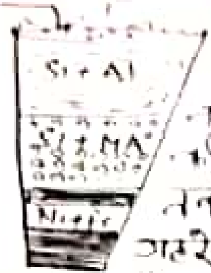

पृथ्वी की आन्तरिक संरचना की सभी जानकारी अभी तक ~~कौ~~ प्राप्त नहीं हो पाया है। अधिकांश की खोने की सकते हैं जो अधिकतम 3 से 4 K.M तक की जानकारी प्राप्त हुआ है। अगर डील बात करे तो आर्कटिक महासागर के कोला क्षेत्र में 12 K.M तक की गहराई हुआ, जब कि ज्वालामुखी उदगार से 50 से 60 K.M तक।

अतः वैज्ञानिको ने बहुत से स्त्रोत से पृथ्वी की आंतरिक संरचना का अनुमान लगाया है।

(क) प्राकृतिक स्त्रोत → प्रत्यक्ष स्त्रोत ज्वालामुखी, भूकम्प,

(ख) अप्रत्यक्ष स्त्रोत (अप्राकृतिक स्त्रोत) ①

(i) (क) भूकम्प विज्ञान :- इसे भूकम्पीय विज्ञान अथवा सिसमोलोजी (Seismology) से भूकम्पीय तरंगो की मदद से पृथ्वी की ~~आन्तर~~ आन्तरिक भाग का अध्ययन किया जाता है।

(ii) Density :- एक निश्चित Area में किसी मेटेरियल का वजन जितना होगा वह Density

रुई लोहा, एक निश्चित volume में किसी Material का वजन जितना होगा वो उसकी Density होती है। Density का Relation Pressur Density → Pressure → Temperatur

वैज्ञानिको ने देखा कि बाहरी सतह से आन्तरिक सतह

Scanned with CamScanner

(2)

[illegible] और नीचे जाने पर तापमान की वृद्धि होती है। पृथ्वी के अन्दर जाने पर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पर 1° है [illegible] होती है इसके बाद यह वृद्धि कम हो जाती है।

पृथ्वी के आन्तरिक संरचना को भूवैज्ञानिको ने तीन भागो में बाँटकर बता है।

(i) भूपर्पटी :- यो सीरा परत पृथ्वी के सबसे बाहरी परत होता है। Crust की मुटाई महासागरो पर [illegible] महाद्वीपो पर लगभग-2 होता है। महासागरो में कम और महाद्वीपो पर ज्यादा होता है। Crust का निर्माण Silca + Al से बना हुआ है। इसलिए इसे SIAL कहा जाता है। इसे परत को लिथोस्फीयर भी कहा जाता है। इस परत का घनत्व 2.75 से 2.90 तक है। (ii) मेंटल :- Crust के नीचे भाग को Mental कहा जाता है। पृथ्वी के आयतन का 83% तथा द्रव्यमान का 67% भाग यही होता है। Mental का निर्माण सिलिका और मैग्नीशियम से हुआ है इस लिए इसे परत को SIMA कहा जाता है। इस परत को पाइरोस्फीयर भी कहा जाता है। इस परत का घनत्व 2.90 से 4.75 तक है।

क्रोड :- मेंटल के निचले भाग क्रोड जो पृथ्वी के केन्द्र में स्थित है। इसका निर्माण निकेल + लोहे से हुआ है। इस लिए इसे NIFE परत कहते हैं। इस परत को बैरीस्फीयर भी कहा जाता है। इस परत का घनत्व 11 से 13 तक है।

Scanned with CamScanner